जंगल घूमा चाचाजी ने

जंगल घूमा चाचाजी ने
दूरबीन के साथ में,
दूर–दूर की चिड़िया दिखती
जैसे आ गई हाथ में।
ऊँचे पेड़ पे चढ़कर देखा
एक तेंदुआ नीचे
तभी अचानक साँप कहीं से
निकला उनके पीछे।

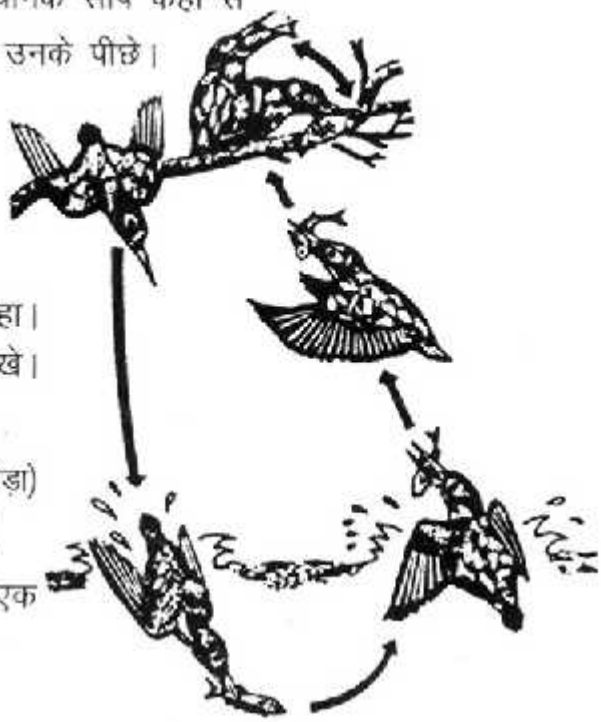

चाचाजी का रिकार्ड

5/4/2000

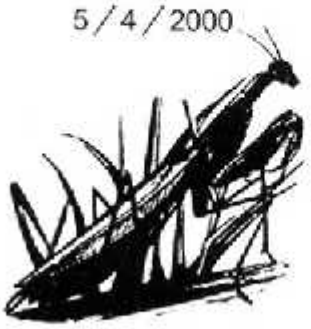

आज का दिन अच्छा ही रहा। बहुत सारे पेड़, कीडे और पक्षी देखे। और एक तेंदुआ भी।

उधर एक मेंटिस कीड़ा (हरा कीड़ा) एक टिड्डे को पकड़ रहा था।

एक किलकिला दिखा जो मछली पकड़ रहा था, एक बाज़ का घोंसला भी आज पहली बार देखा।

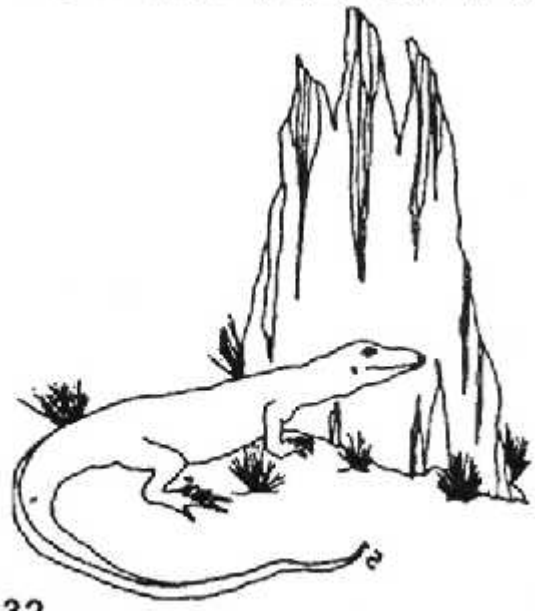

जिस पेड़ पर मैं बैठा था, उसके नीचे एक दीमक का टीला था। उसके पास एक गोह दिखी।

तभी पत्तियों के करीब एक सुंदर गिरगिट भी दिखा। उसने अपना रंग एकदम हरा कर लिया था। बहुत ध्यान लगाकर देखना पड़ रहा था। उसकी दोनों आँखें अलग–अलग दिशा में देख रहीं थीं। पेड़ के नीचे मुझे कुछ सुन्दर फर्न दिखाई दिए।

पास ही किनो के पेड़ हैं। इनके फूल तो एकदम सूखे–सूखे से हैं। इनकी पत्तियाँ बड़ी–बड़ी सी हैं और फूल पीले–भूरे हैं। इनके पतले और चपटे फूलों के बीच एक–एक बीज होता है। फूल की पंखी करीब–करीब गोल होती है और उसकी चोंच भी निकली रहती है। इस पेड़ से एक गाढ़े लाल रंग की गोंद भी निकलती है।

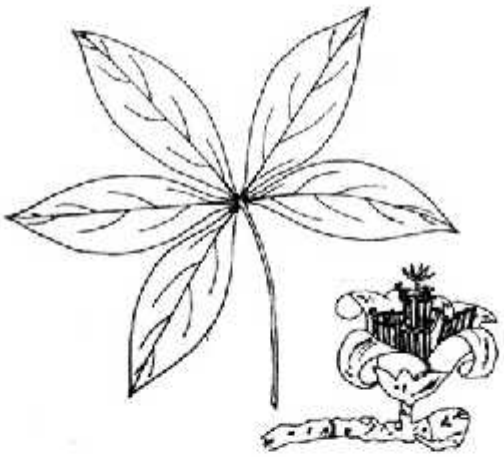

एक जगह मुझे बहुत ऊँचा सेमल का पेड़ भी देखने को मिला। नीचे उसका तना काफी मोटा था और नई शाखाओं में मोटे–मोटे काँटे लगे थे। इसकी पत्तियाँ पाँच–पाँच के समूहों में उगती हैं। मार्च के महीने में तो इसमें गाढ़े लाल रंग के बड़े–बड़े फूल लगे थे। अब तो वे फूल फल बनकर पकने लगे हैं। जहाँ कहीं फल खुल जाते हैं, वहाँ उनमें से नरम–नरम रूई निकलती है। इस रूई में सेमल के छोटे–छोटे बीज दिखते हैं।

मुझे सबसे सुंदर अमलतास का पेड़ लगा। उसके पीले फूलों के गुच्छे बिल्कुल सोने की बौछार जैसे लगते हैं। मई में इसमें नई पत्तियाँ लगेंगी और दिसंबर तक इस पर काले–काले फल लगेंगे। आज मुझे एक तेंदुआ भी दिखा था। सिर से पूँछ के छोर तक करीब छह फुट का रहा होगा।

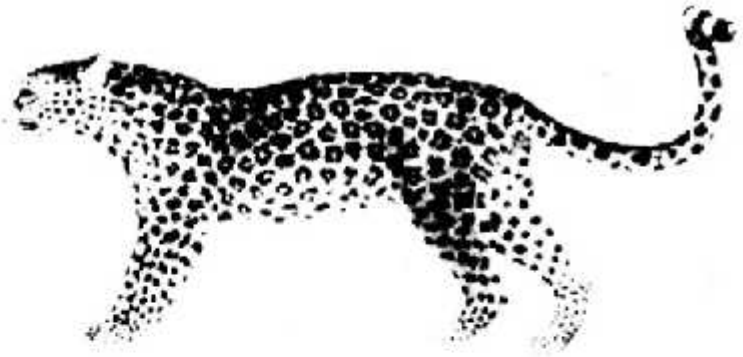

मैं उसे अपनी दूरबीन से देख ही रहा था कि पीछे से कुछ सरकने की आवाज़ आई। मैं डर गया। पर जब पीछे मुड़ा तो देखा कि एक हरे रंग का साँप था। यह साँप पेड़ों पर ही रहता है और ज़हरीला नहीं होता।

पर जब तक मैंने वापस मुड़कर देखा तेंदुआ जा चुका था।

इस पाठ पर सवाल बनाओ और उनके उत्तर ढूँढो। दो टीमों में बँट कर एक दूसरे से प्रश्न पूछ सकते हो।

पेड़ों को कैसे देखें?

हमारे आसपास जो बड़े–बड़े पेड़ हम देखते हैं, इनमें एक कड़क लकड़ी का तना होता है जो ऊपर जाकर पहले डगालों में बँट जाता है। फिर आगे ये डगाल टहनियों में बँट जाती हैं जिनमें पत्तियाँ लगती हैं। तुम चार–चार की टोलियों में बँट जाओ। हर टोली बाहर जाकर एक–एक बड़ा पेड़ चुन ले । उसका चित्र बनाकर अपनी कॉपी में नाम लिख लो। फिर उस पेड़ के बारे में नीचे दी गई बातें पता करो और लिखो।

	पेड़	यहाँ तुम लिखो
पूरा पेड़	क्या पेड़ का शीर्ष या सबसे ऊपर वाला हिस्सा नुकीला है? क्या वह गोलाई लिए हुए है या फैला हुआ? क्या डगालें सीधी हैं, झुकी हुई हैं या मुड़ी–तुड़ी? क्या पेड़ का तना बँट जाता है? उसकी छाल कैसी है? उसका रंग क्या है? वह छूने पर कैसा महसूस होता है?	
पत्ते	क्या पत्ते टहनियों के दोनों ओर एक–एक करके जमे हैं ( ) या जोड़ियों में ( )? पत्ते कितने बड़े हैं ? क्या पेड़ पतझड़ी हैं या सदाबहार? मतलब क्या पतझड़ के मौसम में पत्ते झड़ जाते हैं या पेड़ हमेशा हरा–भरा रहता है?	
फूल	फूल किस मौसम में खिलते हैं? फूलों की बनावट कैसी है? कितनी पंखुड़ियाँ हैं? रंग क्या हैं? सुगंधित है या नहीं?	

फल/बीज	फल किस महीने में पकते हैं? वे किस आकार के हैं? किस रंग के हैं? क्या वे कड़क हैं या नरम? फल के अन्दर कितने बीज हैं? वे किस आकार और रंग के हैं?	
जगह	अपनी सामान्य स्थिति में क्या यह पेड़ सूखे इलाकों में उगता है या गीले दलदली इलाकों में? क्या यह खुली, धूप वाली जगहों पर उगता है या छाँव वाली जगहों में? पेड़ कैसे उगा था? यहाँ कैसे आया? कौन से जानवर, पक्षी या कीड़े–मकोड़े इस पेड़ को रहने की जगह की तरह इस्तेमाल करते हैं? क्या वे इसे खाने में इस्तेमाल करते हैं? क्या इस पेड़ में कोई बीमारी है?	
जड़ें	क्या पेड़ की जड़ें बाहर दिखती हैं? क्या जड़ें ज़मीन पर दिखती हैं या डगालों से निकलती हुई?	
उपयोग	पेड़ का कौन–सा हिस्सा किस–किस काम में आता है?	
	पेड़ के बारे में और कोई बात	

फूल

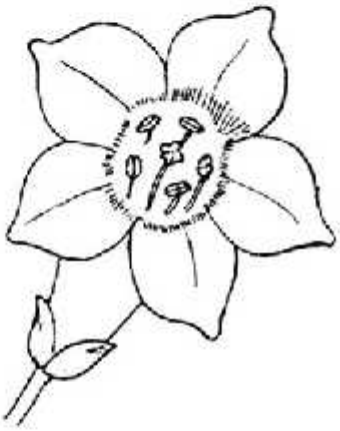

पौधे का एक महत्वपूर्ण भाग है फूल। आओ इसकी रचना को देखें। एक बेशरम का फूल तोड़ लाओ। फूल तोड़ते समय यह देखो कि वह किस भाग द्वारा तने या शाखा से जुड़ा है, इस भाग को फूल का डंठल कहते हैं। कुछ फूलों में डंठल होते हैं और कुछ में नहीं। फूल को उलटा करके उस स्थान को ढूंढो जहाँ फूल के सभी भाग जुड़े होते हैं।

अपने फूल में नीचे बने चित्र की मदद से अंखुड़ी और पंखुड़ी को पहचानो। फूल में सबसे बाहर की ओर छोटी–छोटी और हरी अंखुड़ियाँ हैं। कली की अवस्था में ये फूल के अन्दर वाले हिस्सों की रक्षा करती हैं। ये एक घेरा बनाकर कली को चारों ओर से घेरे रहती हैं। फूल बनने पर भी यह सबसे बाहर का घेरा बनाती है। इसके अंदर की ओर रंगीन पंखुड़ियाँ पाई जाती हैं। अलग–अलग प्रकार के फूलों में पंखुड़ियों का रंग अलग–अलग होता है। ये कीड़ों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

अपने फूल में अंखुड़ियों की संख्या को गिनो और लिखो?

अंखुड़ियाँ एक–दूसरे से जुड़ी हैं या अलग–अलग?

पंखुड़ियों की संख्या गिनो और लिखो?

पंखुड़ियाँ आपस में जुड़ी हैं या अलग–अलग हैं?

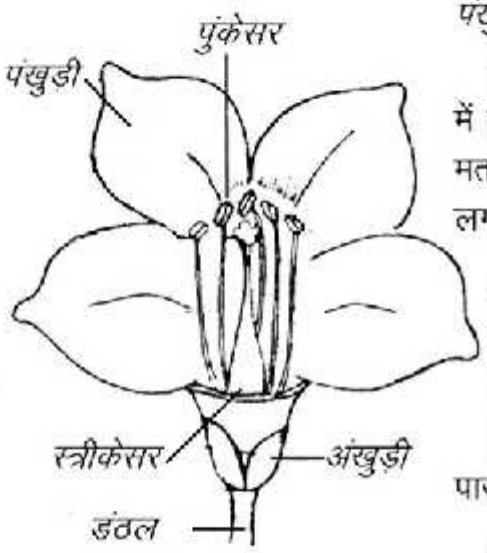

अन्दर की रचना साफ–साफ देखने के लिए फूल की पंखुड़ी में बबूल के कांटे या ब्लेड से हल्का चीरा लगा दो। चीरा गहरा मत लगाना नहीं तो अंदर के दूसरे भाग कट भी सकते हैं। चीरा लगाने के बाद पंखुड़ी को चौड़ा करके देखो।

अपने चीरे हुए फूल में चित्र में दिखाए अनुसार रचनाएं पहचानो और गिनो?इनकी संख्या कितनी है।इनको पुंकेसर कहते हैं

पुंकसेर के ऊपरी सिरे को हाथ से छूकर देखो। हाथ में पाउडर (धूल) जैसा पदार्थ चिपक जाता है इसे पराग कहते है।

अब पंखुड़ियों के और पुँकेसरों के बीच, चित्र में दिखाई गई रचना देखो और गिनो। इस रचना को स्त्रीकेसर कहते हैं।

इनके निचले हिस्से में एक फूली हुई रचना पाई जाती है, जिसे अंडाशय कहते हैं। इसकी रचना के आधार पर हम इसे पुँकेसर से अलग पहचान सकते हैं।

बाहर से अंदर ही ओर देखने पर अंग किस क्रम में मिले? एक सूची बनाओ।

नीचे दिए गए चित्र को देखो। और फूलों के अंगों को अलग–अलग करके ऐसे कागज़ पर चिपकाओ।

क्या सभी फूलों में अंगों का क्रम एक सा है।

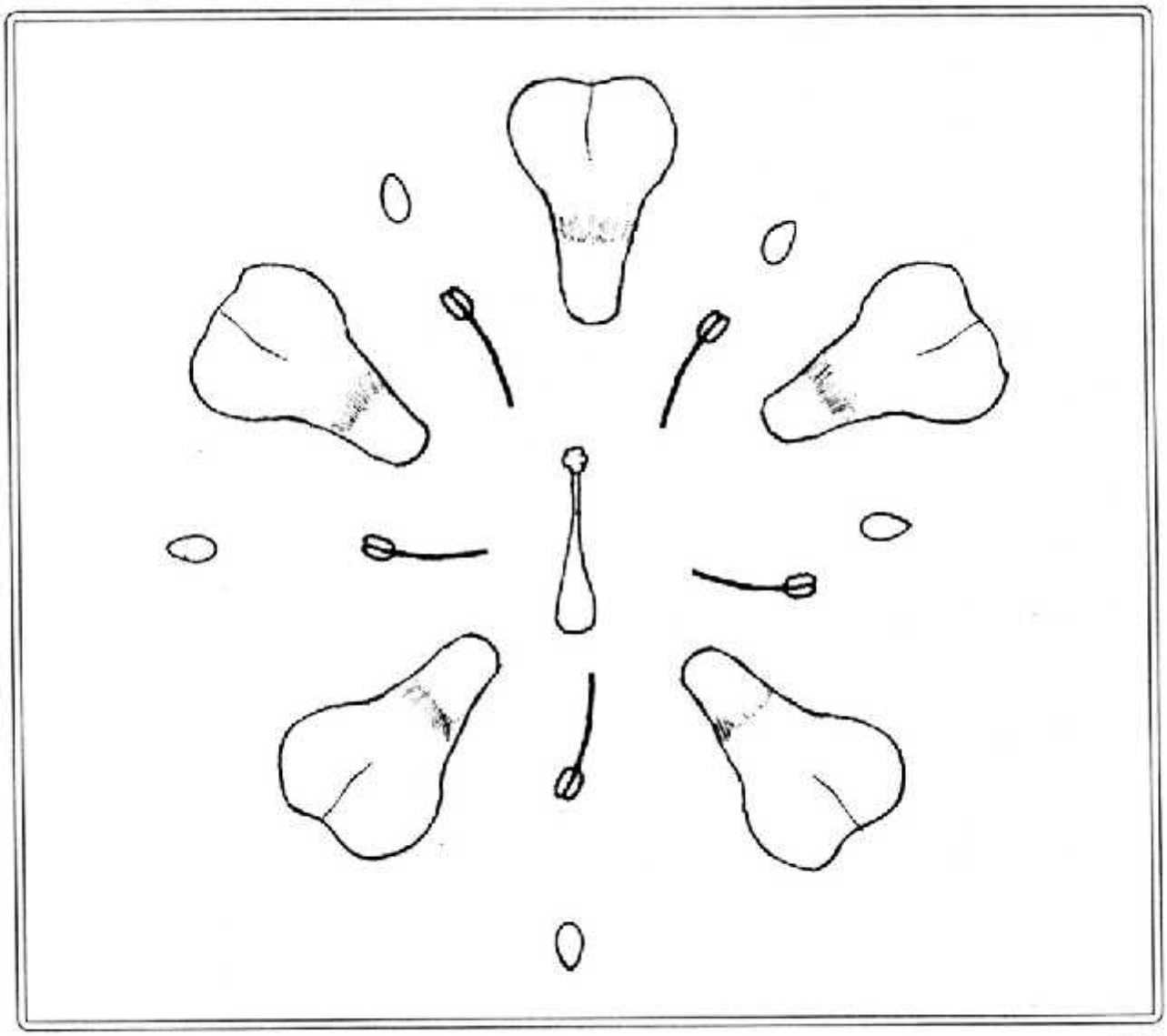

अब तुम बैंगन, धतूरा, जासौन, भिण्डी, सदाबहार और अधिक से अधिक जो भी फूल मिलें, उनमें भी इन सभी रचनाओं को ढूँढ़ो और उसके चित्र बनाओ। अपनी जानकारी को तालिका में लिखो।

क्र.	फूल का नाम	अंखुड़ी		पंखुड़ी		पुँकेसर की संख्या (अगर 10 से ज्यादा हैं तो अनगिनित लिखें)	स्त्रीकेसर	विशेष बात
		संख्या	जुड़ी या अलग–अलग	संख्या	जुड़ी या अलग–अलग			
1.								
2.								
3.								
4.								
5.								
6.								
7.								